PRGI No. UPHIN/25/A1697

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 109
दि. 18.08.2026,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

सीएम योगी का युवाओं को संदेश: माफिया और नशे से रहें दूर, 500 और पदक विजेता खिलाड़ियों को मिलेगी सरकारी नौकरी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को माफिया और नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, पेशेवर, खेल या ड्रग माफिया किसी भी रूप में युवा शक्ति के लिए खतरा हैं। उन्होंने कहा कि सरकार खेल संस्कृति बढ़ाने, खिलाड़ियों को रोजगार देने और नई युवा नीति लागू करने पर काम कर रही है।

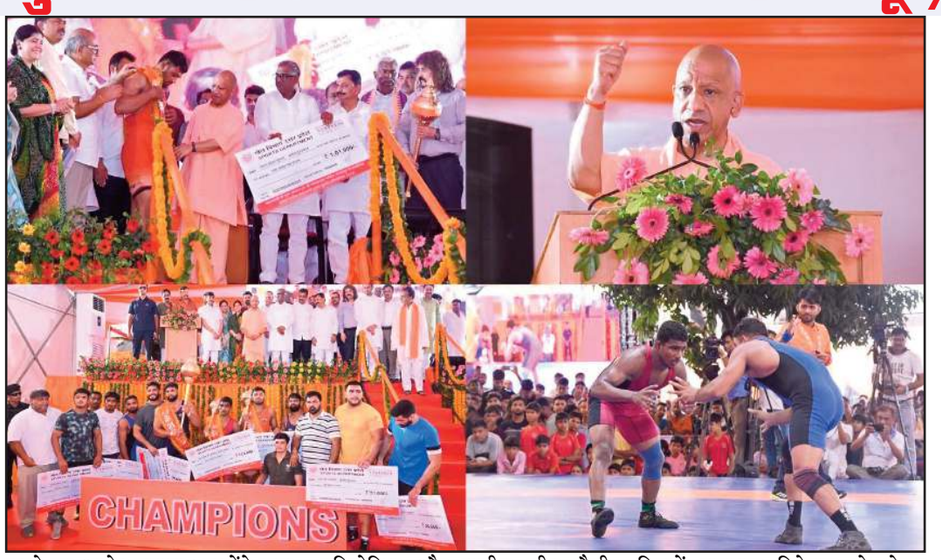

(जीएनएस)।

गोरखपुर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में नागपंचमी के अवसर पर आयोजित प्रदेश स्तरीय सीनियर प्राइजमनी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता के समापन समारोह को संबोधित किया। उन्होंने माफिया प्रवृत्ति को युवा शक्ति का सबसे बड़ा दुश्मन बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा, पेशेवर, खेल या ड्रग माफिया, किसी भी प्रकार का माफिया युवाओं को क्षति पहुंचाता है। युवा शक्ति को बचाने के लिए डबल इंजन सरकार द्वारा बढ़ाई गई खेल संस्कृति को सार्थकता देना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने पूर्व की सरकारों पर युवाओं और खेल को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें युवाओं का दुरुपयोग करती थीं और उन्हें माफिया की गिरफ्त में छोड़ देती थीं। योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट किया कि युवाओं के जीवन से खिलवाड़ करने वाले किसी भी माफिया की संपत्ति जब्त कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पिछले 10-12 वर्षों में भारत की खेल संस्कृति में व्यापक परिवर्तन का उल्लेख किया। खेलो इंडिया, फिट इंडिया, सांसद व विधायक खेलकूद प्रतियोगिता और ग्रामीण लीग जैसी पहलें आगे बढ़ी हैं।

हाल ही के कॉमनवेल्थ खेलों में भारत के खिलाड़ी चौथे स्थान पर रहे और पदक जीते। उत्तर प्रदेश के नौ खिलाड़ियों में से तीन ने एक गोल्ड, एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज पदक प्राप्त किए। प्रदेश सरकार ने खेल नीति लाकर पदक विजेता खिलाड़ियों को सीधे सरकारी नौकरी देने की व्यवस्था की है। अब तक 500 से अधिक खिलाड़ियों को नौकरी दी जा चुकी है, जिसमें सहायक निदेशक से लेकर डिप्टी एसपी तक के पद शामिल हैं।

अगले एक महीने में 500 और पदक विजेता खिलाड़ियों को यूपी पुलिस व अन्य विभागों में नौकरी मिलेगी। ओलंपिक में गोल्ड पदक विजेता को 6 करोड़, सिल्वर को 4 करोड़ और ब्रॉन्ज विजेता को 2 करोड़ रुपये दिए जाते हैं। ओलंपिक में प्रतिभाग करने पर 10 लाख और कॉमनवेल्थ व एशियाड में 5-5 लाख रुपये की सहायता मिलती है।

खेल संस्कृति का विस्तार और सरकारी प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल संस्कृति को बढ़ाने के लिए सरकार के साथ समाज और स्वयंसेवी संगठनों को भी जुड़ना होगा। उन्होंने निजी एकेडमियों को सहायता देने की बात कही, क्योंकि वे युवाओं को तराशने का काम करती हैं। पुराने पहलवानों और उस्तादों के अखाड़ों का पंजीकरण, निर्माण और मैटिंग जैसी सहायता भी दी जाएगी। कोचेज और मैनेजरों को भी सहायता प्राप्त हो, इसकी व्यवस्था बनेगी। राज्य सरकार की खेल नीति निजी क्षेत्र के सहयोग का पूरा समर्थन करेगी। उन्होंने गाजीपुर के ललित उपाध्याय और राजकुमार पाल का उदाहरण दिया, जो निजी स्टेडियम से आगे बढ़े। सरकार हर गांव में खेल का मैदान, ओपन जिम, हर विकास खंड में मिनी स्टेडियम और हर जनपद में स्टेडियम बनाने का प्रयास कर रही है।

नशा मुक्ति और आत्म-अनुशासन का महत्व

योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को ड्रग और स्मार्टफोन के नशे से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ड्रग माफिया युवा पीढ़ी को खोखला बनाना चाहता है, जिसके खिलाफ हर जागरूक नागरिक को लड़ना होगा। स्मार्टफोन पर खर्च होने वाले 90 फीसदी समय को फजूल बताया। युवाओं से 5-6 घंटे बचाकर कम से कम एक घंटा शरीर को देने का आग्रह किया। स्वस्थ शरीर से स्वस्थ मस्तिष्क और सशक्त भारत का निर्माण होगा। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ी के लिए आत्म-अनुशासन और आत्म-संयम को पहला नियम बताया। उन्होंने समय पर जागने, सोने, खान-पान और गुरु-शिष्य परंपरा का पालन करने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार बहुत जल्द नई 'युवा नीति' ला रही है। इस नीति में युवाओं के लिए कई आयोजन और कार्यक्रम होंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 'अभ्युदय कोचिंग' को हर कॉलेज और विश्वविद्यालय तक पहुंचाया जाएगा।

हर जिले में एक एम्प्लॉयमेंट जोन बनेगा, जहां युवाओं की स्किलिंग और रोजगार दोनों मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने नागपंचमी की बधाई दी और इसका आध्यात्मिक महत्व समझाया। उन्होंने उत्तर प्रदेश केसरी, उत्तर प्रदेश कुमार और उत्तर प्रदेश वीर अभिमन्यु खिताब जीतने वाले पहलवानों को पुरस्कृत किया।

पीएम मोदी ने भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों को दी बधाई

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, पीएम मोदी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों को बधाई दी और कहा कि नयी टीम में संगठनात्मक अनुभव, ऊर्जा एवं जमीनी स्तर से जुड़ाव का बेहतर मेल है।

भाजपा ने पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में अपनी नयी राष्ट्रीय टीम की घोषणा की है। इसमें 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं, जिनमें राम माधव, लोकसभा सदस्य डी. पुरंदेश्वरी और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत शामिल हैं।

पीएम मोदी ने 'एक्स' पर कहा, "भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों और पार्टी में विभिन्न जिम्मेदारियां पाने वाले सभी को

बधाई। नवनियुक्त टीम में संगठनात्मक अनुभव, ऊर्जा और जमीनी स्तर से जुड़ाव का बेहतर मेल है।" उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि नयी टीम भाजपा को मजबूत करने और जनसेवा पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेगी। मोदी ने कहा, "मेरी उन्हें शुभकामनाएं हैं।"

भाजपा द्वारा जारी सूची के अनुसार, पार्टी ने बी.एल. संतोष को राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बनाए रखा है। वहीं, आठ राष्ट्रीय महासचिवों की टीम में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब को शामिल किया है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया गया है। विनोद तावड़े और सुनील बंसल ही ऐसे दो राष्ट्रीय महासचिव हैं, जिन्हें पार्टी ने अपनी नयी टीम में बरकरार रखा है। भाजपा ने अलग-अलग राज्यों से 16 राष्ट्रीय सचिवों की अपनी टीम में कविता पाटीदार, के. सुरेंद्रन, संदीप पाठक और मनोज तिग्गा समेत कई नये चेहरों को शामिल किया है।

स्मृति ईरानी ने भाजपा महासचिव नियुक्त होने पर प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया

नयी दिल्ली, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त होने पर, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने संगठन और राष्ट्र की सेवा करने का एक और मौका देने के लिए सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन का आभार जताया।

ईरानी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "एक साधारण भाजपा कार्यकर्ता से लेकर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव के तौर पर सेवा करने की जिम्मेदारी मिलने तक का यह सफर बेहद विनम्रता से भरा रहा है।"

उन्होंने कहा, "मैं माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की बहुत आभारी हूं।

24 दिन बाद झुकी सोरेन सरकार! 2014 से सभी परीक्षाओं की सीबीआई जांच, क्या छात्र आंदोलन खत्म?

(जीएनएस)।

झारखंड में भर्ती परीक्षाओं को लेकर 24 दिनों से जारी छात्र आंदोलन के बीच हेमंत सोरेन सरकार ने सोमवार (17 अगस्त) की रात करीब 9 बजे को बड़ा फैसला लिया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ऐलान किया कि JSSC-CGL परीक्षा रद्द की जाएगी और ळरफ ऊं Processi»»fg Ltd. (TDPL) के जरिए आयोजित सभी परीक्षाओं, उनके परिणामों और संबंधित भर्तियों को भी रद्द किया जाएगा। इसके साथ ही सरकार ने 2014 से अब तक TDPL के जरिए आयोजित परीक्षाओं की उकऊ जांच कराने का फैसला लिया है।

सरकार के इस फैसले को प्रदर्शनकारी छात्रों की प्रमुख मांगों पर बड़ी कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने साफ कर दिया है कि वे अभी आंदोलन को पूरी तरह खत्म मानने की स्थिति में नहीं हैं। उनका कहना है कि सरकार के फैसले का स्वागत है, लेकिन जांच और परीक्षा व्यवस्था में स्थायी सुधार की गारंटी अभी बाकी है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मुताबिक, सरकार ने TDPL से जुड़ी गतिविधियों को व्यापक रूप से रद्द करने का फैसला किया है। इसमें कंपनी के जरिए आयोजित परीक्षाएं, प्रकाशित परिणाम, चयनित अभ्यर्थी और उससे जुड़ी अन्य गतिविधियां शामिल हैं। इस फैसले के दायरे में JSSC-CGL परीक्षा भी आ गई है। सरकार का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया में सामने आई कथित अनियमितताओं को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। यानी मामला केवल एक परीक्षा रद्द करने तक सीमित नहीं है। सरकार ने TDPL से जुड़े पूरे परीक्षा और भर्ती तंत्र को जांच के दायरे में लेने का फैसला किया है।

2014 से अब तक की परीक्षाओं की होगी CID जांच

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 से अब तक आयोजित सभी संबंधित परीक्षाओं की जांच उकऊ करेगी। सरकार के मुताबिक मौजूदा उकऊ और रकळ जांच में कई आपत्तिजनक और चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

बड़ी कामयाबी...भारत को दो 2 एमके-9बी जेट देगा अमेरिका, हिंद महासागर में छिप नहीं पाएगी चीन की हरकत

(जीएनएस)।

नई दिल्ली: भारत सरकार ने सोमवार को अमेरिकी कंपनी जनरल एटॉमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम्स इंक (GA-ASI) के साथ भारतीय नौसेना के लिए दो MQ-9B एयरक्राफ्ट लीज पर लेने के लिए लगभग 1,943 करोड़ रुपये का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिए 30 महीने की अवधि के वास्ते दो टद-9इ सी गार्डियन हाई-एल्टीट्यूड लॉन्ग-एंड्योरेंस (HALE) रिमोटली पाइलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम (RPAS) के लिए समझौते की घोषणा की।

भारतीय नौसेना के लिए अमेरिका के दो जेट MQ-9B सी गार्डियन

रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिए दो MQ-9B सी गार्डियन हाई-एल्टीट्यूड लॉन्ग-एंड्योरेंस (HALE) रिमोटली पाइलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम (फढअर) को लीज पर लेने के लिए जनरल एटॉमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम्स (GA-ASI) के साथ एक कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर किए हैं।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'ये सिस्टम समुद्री इलाके के बड़े हिस्सों में लगातार इंटेलिजेंस, सर्विलांस और टोही निगरानी की सुविधा देंगे, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में हो रही गतिविधियों पर नजर रखने और उन पर प्रतिक्रिया देने की भारत की क्षमता मजबूत होगी।' यह समझौता नई दिल्ली के कर्तव्य भवन-2 में रक्षा विभाग के अतिरिक्त सचिव और महानिदेशक (अधिग्रहण) ए.

अनबारासु की मौजूदगी में किया गया।

कितना खास है ये MQ-9B Sea Guardia

MQ-9B Sea Guardian HALE RPAS एडवांस्ड सिस्टम, अत्याधुनिक सेंसर और बेहतरीन पेलोड से लैस है। कहा जाता है कि यह एयरक्राफ्ट भारतीय नौसेना की समुद्री क्षेत्र की निगरानी क्षमताओं को काफी बढ़ा देगा। इससे भारतीय नौसेना हिंद महासागर में जब-तब किसी बहाने से अपने जासूसी जहाजों को भेजने वाले चीन की हरकतों पर भी पैनी नजर रखी जा सकेगी।

भारत की बढ़ जाएगी हिंद महासागर में क्षमता

एडवांस्ड सिस्टम, अत्याधुनिक सेंसर और बेहतरीन पेलोड से लैस MQ-9B सी गार्डियन लळअछए फढअर, भारतीय नौसेना की समुद्री क्षेत्र की निगरानी क्षमताओं को काफी बढ़ा देगा। ये सिस्टम समुद्री क्षेत्र के विशाल इलाकों में लगातार इंटेलिजेंस, सर्विलांस और टोही कवरेज प्रदान करेंगे, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में गतिविधियों पर नजर रखने और उन पर प्रतिक्रिया देने की भारत की क्षमता मजबूत होगी।

देवेंद्र फडणवीस की दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात, मुंबई तक गरमाई राजनीति, जानिए क्या था एजेंडा

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम का ऐलान होने से पहले जैसे ही मुलाकात की तस्वीरें सामने आईं तो मुंबई तक राजनीति का पारा चढ़ गया। जानिए फडणवीस पीएम मोदी से क्यों मिले?

(जीएनएस)।

मुंबई/नई दिल्ली: बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम घोषित होने से पहले बीच सोमवार को नई दिल्ली में महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात हुई है। इस मुलाकात की जानकारी आते ही नई दिल्ली से लेकर मुंबई और नागपुर तक राजनीति गरमा गई। चर्चा शुरू हो गई कि क्या देवेंद्र फडणवीस भी केंद्र में आने वाले हैं?

पीएम मोदी से मुलाकात के बाद देवेंद्र फडणवीसने खुद सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा की हैं। इनमें उन्होंने लिखा है कि देश के सफल प्रधानमंत्री और भारत के ग्लोबल लीडर, माननीय नरेंद्र मोदी जी से आज नई दिल्ली में मुलाकात हुई और अलग-अलग विषयों पर डिटेल में बातचीत हुई।

महाराष्ट्र में अलग-अलग डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स के बारे में उन्हें डिटेल में जानकारी दी गई, और केंद्र सरकार के साथ कोऑर्डिनेशन से चल रही स्कीम्स और प्रोजेक्ट्स के बारे में भी सहयोग मांगा गया। हमेशा की तरह, उनकी मीटिंग नई एनर्जी देने वाली साबित हुई। मैं डेवलपमेंट के मुद्दों पर उनके कीमती गाइडेंस और महाराष्ट्र को उनके मजबूत सपोर्ट के लिए उनका बहुत आभारी हूं। राजनीतिक हलकों में पीएम नरेंद्र मोदी और देवेंद्र फडणवीस की मुलाकात को कई तरीके से देखा जा रहा है। पिछले दिनों उद्धव ठाकरे की पार्टी के नेता संजय राउत ने यह कहकर सनसनी फैला दी कि देवेंद्र फडणवीस अगले शिक्षा मंत्री होंगे। तब बीजेपी ने राउत पर पलटवार किया था। इतना ही नहीं देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने बाकायदा का था उन्होंने मन्नत मांगी है कि देवेंद्र महाराष्ट्र में ही रहें।

बिहार के लखीसराय के अशोक धाम मंदिर में भगदड़ में 7 लोगों की मौत

(जीएनएस)।

बिहार के लखीसराय जिले के अशोक धाम मंदिर में हुई भगदड़ में सात महिला श्रद्धालुओं की मृ ु यु हो गई। सावन माह के तीसरे सोमवार को जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ एकत्र थी। दस से अधिक श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल और जिले के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भगदड़ अशोक धाम स्टेशन से मंदिर तक के रास्ते में बिजली के खंभे में करंट आने की अफवाह से हुई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने लखीसराय भगदड़ में श्रद्धालुओं की मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया है। राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पोस्ट में मृतकों के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लखीसराय में भगदड़ में लोगों के मारे जाने पर दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की हरसंभव सहायता कर रहा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी लखीसराय के अशोक धाम मंदिर में भगदड़ में श्रद्धालुओं के मारे जाने पर दुख व यक त किया है। श्री सिंह ने सोशल मीडिया पोस्ट में दुखी परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने इस दर्दनाक हादसे के पीड़ित हर व्यक्ति के लिए कठिन समय में धैर्य बनाए रखने की प्रार्थना की।

वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है और प्रशासन को घायलों का समुचित उपचार सुनिश्चित करने को कहा है। उन्होंने मृतकों के निकट परिजन के लिए चार-चार लाख रुपये अनुग्रह राशि की घोषणा की है।

सम्पादकीय

12 सेकेंड का एक वीडियो जारी कर मुजतबा खामेनेई ने अपनी मौत की अटकलों पर लगाया विराम

पिछले 28 फरवरी से जब से अमेरिका इजरायल ने ईरान पर हमला किया था जिसमें आयतुल्लाह अली खामेनेई और उनके परिवार वालों की शहादत हुई थी जिसमें एक 14 महीने की बच्ची भी शामिल थी। कहा जा रहा था कि इस हमले में मुजतबा खामेनेई या तो मारे गए हैं या बुरी तरह से जख्मी हुए हैं। यह भी कहा गया था कि वो मास्को में आईसीयू में हैं। 28 फरवरी के हमले के बाद से मुजतबा खामेनेई कभी जनता के सामने भी नहीं आए थे।

पर कुछ दिन पहले उनका एक वीडियो सामने आया। हाल ही में इजरायल ने दावा किया था कि उनकी हालत बेहद गंभीर है और उनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां तक कहा गया था कि उनकी मौत की खबर सामने आए तो हैरानी नहीं होगी। इन दावों के बीच ईरान की मेहर-न्यूज एजेंसी ने मुजतबा खामेनेई का 12 सेकंड का एक वीडियो जारी किया है। वीडियो में वह लोगों से बातचीत करते हुए नजर आ रहे हैं। हालांकि यह वीडियो कब का है यह साफ नहीं किया गया है। इसलिए सवाल अभी भी बरकरार है। वीडियो ने बीमारी की खबरों पर उठाए सवाल मेहर न्यूज एजेंसी की ओर से जारी वीडियो में मुजतबा खामेनेई लोगों के बीच चंगे भले नजर आ रहे हैं और बातें कर रहे हैं। पहली नजर में यह वीडियो उनकी गंभीर बीमारी से जुड़ी खबरों का जवाब माना जा रहा है। हालांकि यह बड़ा सवाल इसकी तारीख को लेकर भी है। एजेंसी ने यह नहीं बताया कि वीडियो कब रिकार्ड किया गया था। ऐसे में सिर्फ 12 सेकंड के इस वीडियो के आधार पर उनकी मौजूदा सेहत के बारे में कोई पुख्ता निष्कर्ष निकालना मुश्किल है। फरवरी में सर्वोच्च नेता की जिम्मेदारी मुजतबा खामेनेई ने संभाली थी। इसके बाद से उनकी सार्वजनिक मौजूदगी बेहद सीमित रही है। उनकी तरफ से ज्यादातर लिखित बयान ही सामने आए। इसी वजह से उनकी सेहत और गतिविधियों को लेकर लगातार अटकलें लगती रहीं हैं। मुजतबा खामेनेई की सेहत को लेकर चल रही अफवाहों के बीच ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि इस वक्त सुप्रीम लीडर (मुजतबा खामेनेई) से डायरेक्ट बात करना बेहद मुश्किल है। उन्होंने हालांकि यह भी कहा कि वह मुजतबा खामेनेई से मिल चुके हैं। जानकारी के मुताबिक यह मुलाकात मई के महीने में हुई थी। राष्ट्रपति ने व्यापार संघ के प्रतिनिधियों से एक मीटिंग के दौरान कहा था कि वो मुलाकात करीब ढाई घंटा चला थे और यह मुलाकात काफी अच्छी रही। सूत्रों के मुताबिक राष्ट्रपति को खामेनेई से मिलने का सुनहरा मौका एक रियायत के तौर पर मिला था। कहा जा रहा है कि पेजेश्कियान बार-बार मुजतबा से मिलने की गुजारिश कर रहे थे और यहां तक कि धमकी दे रहे थे कि अगर उनसे मिलने नहीं दिया गया तो वो अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। खामेनेई के कार्यालय को आखिर इस मुलाकात के लिए हामी भरनी पड़ी, लेकिन ये मुलाकात कहा जा रहा है कि नार्मल नहीं थी। अमेरिका-इजरायल ने लगातार ये दिखाने की कोशिश की कि मुजतबा को गंभीर चोटें लगी हैं, वह बुरी तरह जख्मी हुए हैं, उनका चेहरा जल गया है और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं।

अमेरिका से ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी पर मुहर, रिपोर्ट में खुलासा- खोखले साबित हुए पाकिस्तान के न्यूक्लियर डेटरेंस के दावे

(जीएनएस)।

इस्लामाबादः अमेरिकी संस्था बुलेटिन ऑफ द एटॉमिक साइंटिस्ट ने अपने आकलन में पाया है कि पाकिस्तान के परमाणु हथियार भारत के हमलों से उसे बचाने में नाकाम हैं। रिपोर्ट कहती है कि मई 2025 में भारत के साथ 4 दिन के सैन्य टकराव के दौरान पाकिस्तान के अनुभव ने परमाणु हथियारों से मिलने वाली सुरक्षा (न्यूक्लियर डेटरेंस) की सीमाओं को उजागर कर दिया है। इसके चलते देश अब पारंपरिक सैन्य शक्ति पर ज्यादा ध्यान दे रहा है।

परमाणु हथियारों से लैस इन दोनों पड़ोसियों के बीच यह सैन्य टकराव 7 मई को शुरू हुआ, जब भारत ने पहलगाम आतंकी हमले की जवाबी कार्रवाई के तौर पर ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। रिपोर्ट से पता चला है कि इस टकराव के बाद पाकिस्तान के रणनीतिक नेतृत्व को एक इस सच्चाई का सामना करना पड़ा कि परमाणु हथियारों की भी अपनी सीमाएं होती हैं।

परमाणु बम नहीं रोक पाए लड़ाई

अमेरिकी संस्था की ये रिपोर्ट कहती है कि परमाणु हथियार संकट को पैदा होने से नहीं रोक पाए। परमाणु हथियार ना ही भारत को पाकिस्तान के अंदरूनी इलाकों में हमले करने से रोक पाए और ना ही लड़ाई शुरू होने के बाद इस्लामाबाद को इससे निकलने का कोई निर्णायक रास्ता दे पाए। यह पाकिस्तान के परमाणु बम की सीमा को दिखाती है।

अमेरिका स्थित इस संस्था का आकलन ऐसे समय आया है, जब सुरक्षा गारंटी और बदलती वैश्विक रणनीतिक स्थितियों की चिंताओं के बीच कई देश परमाणु हथियारों में फिर से दिलचस्पी दिखा रहे हैं लेकिन परमाणु हथियार अब कम महत्वपूर्ण हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान से भी सुरक्षा नीति में परमाणु हथियारों की बदलती भूमिका के संकेत मिले हैं।

परमाणु हथियारों ने न तो संकट को शुरू होने से रोका और न ही संघर्ष बढ़ने पर नीति-निमार्ताओं को कोई रास्ता सुझाया। इसके बजाय परमाणु हथियारों की मौजूदगी ने गलत आकलन और अनजाने में संघर्ष बढ़ने की संभावना के कारण

पाकिस्तान के जवाबी विकल्पों को सीमित कर दिया।

पाकिस्तान की विफलता

रिपोर्ट में कहा गया है कि परमाणु हथियारों की तुलना में पारंपरिक सैन्य सफलता से सेना और उसके संस्थानों के राजनीतिक हितों को बेहतर ढंग से साधा जा सकता है। इसमें तर्क दिया गया कि परमाणु हथियारों ने पाकिस्तान की सेना को राष्ट्रीय सुरक्षा के मुख्य संरक्षक के तौर पर अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद की है। यह जनता का समर्थन हासिल करने की क्षमता सीमित है।

रिपोर्ट के अनुसार, मई 2025 के संघर्ष ने परमाणु डेटरेंस के दावों और सैन्य संकट के दौरान परमाणु हथियार असल में क्या कर सकते हैं, इसके बीच के अंतर को उजागर किया। परमाणु डेटरेंस मई 2025 के संकट को रोक नहीं पाया। संघर्ष बढ़ने के डर ने भारत को पाकिस्तान के मुख्य इलाकों में गहराई तक हमला करने से नहीं रोका।

परमाणु हथियार चाहने वाले देशों के लिए चेतावनी

रिपोर्ट में कहा गया कि पाकिस्तान के रणनीतिक प्रतिष्ठान के लिए परमाणु डेटरेंस की सीमाओं को छिपाना मुश्किल हो रहा है। भारत से टकराव के दौरान पाकिस्तान के परमाणु हथियारों का जखीरा ना केवल समाधान देने में विफल रहा बल्कि इसने अतिरिक्त जोखिम भी पैदा किए। भारत के मिसाइल हमलों का जवाब देने में पाकिस्तान के सामने आई चुनौती आई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान का अनुभव परमाणु प्रतिरोध (न्यूक्लियर डेटरेंस) के सिद्धांत को गलत साबित नहीं करता लेकिन यह दिखाता है कि सुरक्षा चुनौतियों के लिए परमाणु हथियारों को एकमात्र समाधान मानना खतरनाक हो सकता है। इससे अगर कुछ पता चलता है तो यह कि परमाणु हथियारों की उपयोगिता उनके समर्थकों के दावों की तुलना में कहीं कम है।

रिपोर्ट के अनुसार, परमाणु हथियार हासिल करने पर विचार कर रहे देशों के लिए पाकिस्तान का अनुभव एक अलग सवाल खड़ा करता है। इन देशों को सिर्फ यह नहीं सोचना चाहिए कि परमाणु हथियार सुरक्षा के लिहाज से क्या दे सकते हैं। बल्कि उन्हें इस बात पर भी विचार करना चाहिए कि परमाणु बम किन सैन्य सीमाओं और जोखिमों को जन्म देता है।

पीएम के विजन के लिए फेडरेशन और खिलाड़ियों के बीच पाटनी होगी खाई, ओलंपिक में भारत दावेदारी रहती है कमजोर

पीएम मोदी के 2036 ओलंपिक विजन के तहत भारत की ओलंपिक खेलों में भागीदारी और पदक की दावेदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। देश में कई खेल महासंघ हैं, लेकिन ओलंपिक की कई खेल प्रतिस्पधाओं में भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी अब भी बेहद कमजोर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2036 ओलंपिक विजन के तहत अब इसी खाई को पाटने पर जोर है। लक्ष्य करीब 20 ऐसे ओलंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों की भागीदारी बढ़ाना है,

जिनमें दुनिया के खिलाड़ी नियमित रूप से उतरते हैं, लेकिन भारत की दावेदारी सीमित रही है।

प्रधानमंत्री पहले भी 2036 में भारत में ओलंपिक कराने और युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन देने पर जोर दे चुके हैं। स्वतंत्रता दिवस पर लाल किला की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महत्वकांक्षी घोषणा करते हुए कहा था कि 2036 ओलंपिक में देश की तीन-चौथाई स्पधाओं में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पांच से 15 वर्ष के बच्चों का राष्ट्रव्यापी प्रतिभा खोज अभियान शुरू किया जाएगा।

दो तिहाई खेलों में भारत नहीं ले पाता हिस्सा

ओलंपिक में लगभग 40 खेल और 350 स्पधाएं होती हैं, जिनमें से भारत दो तिहाई में भाग नहीं ले पाता। जिसके मद्देनजर अब देश के हर कोने से पांच से 15 साल की उम्र के प्रतिभावान बच्चों को खोजने और उन्हें स्कूली स्तर पर विश्व स्तरीय प्रशिक्षण देने की योजना है।

महासंघ मौजूद, लेकिन ओलंपिक तक पहुंच कमजोर

तलवारबाजी, घुड़सवारी, रोइंग, कैनोइंग, सेलिंग, ट्रायथलान, स्पोर्ट क्लाइम्बिंग, साइकिलिंग, डाइविंग, आर्टिस्टिक स्विमिंग, वाटर पोलो, बीच वॉलीबाल, 3x3 बास्केटबॉल और रग्बी सेवन्स जैसे खेलों के भारत में राष्ट्रीय महासंघ पहले से ही मौजूद हैं, लेकिन इन खेलों में ओलंपिक में भारत की दावेदारी न के बराबर रहती है। 20 खेल महासंघों में से 17 खेल मंत्रालय की मान्यता सूची में दर्ज हैं, जबकि तीन को अभी मान्यता मिलना बाकी है। ये लगातार मान्यता का प्रयास कर रहे है।

जरूरी प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर

सबसे बड़ी चुनौती महासंघों और खिलाड़ी के बीच मौजूद उस अंतर को खत्म करना है, जहां प्रतिभा तो सामने आती है, लेकिन उसे ओलंपिक स्तर की ट्रेनिंग, विशेषज्ञ कोचिंग, स्पोर्ट्स साइंस और नियमित अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों का पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाता। सरकार का फोकस अब महासंघों की कमजोरियां पहचानकर प्रशिक्षण और संसाधन मजबूत करने पर होने वाला है। प्रधानमंत्री ने भी स्थानीय प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर देने और खेलों को गांव-गांव तक ले जाने की जरूरत पर जोर दिया है।

सिर्फ संख्या बढ़ाना नहीं बल्कि पदक दावेदारी पर जोर

2036 तक लक्ष्य केवल खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि इन खेलों की अधिकतम ओलंपिक स्पधाओं में भारतीय खिलाड़ियों को क्वालीफाई कराना और पदक की दावेदारी तैयार करना है। खेल विशेषज्ञों के अनुसार, इसके लिए खेल महासंघों की जवाबदेही, जमीनी स्तर पर प्रतिभा खोज, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और विदेशी प्रतियोगिताओं में लगातार भागीदारी को एक साथ आगे बढ़ाना होगा।

अफगानिस्तान टीम में पिता-पुत्र की जोड़ी, एशियन गेम्स के लिए टीम घोषित, किस खिलाड़ी का बेटा टीम में शामिल?

(जीएनएस)।

अफगानिस्तान ने एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट मुकाबलों के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम में कई नए चेहरों को जगह दी गई है और कप्तानी दरवेश रसूली को सौंपी गई है। टीम की घोषणा के बाद जिस नाम ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा है, वह हसन ईसाखिल का है।

हसन ईसाखिल के चयन की खबर इसलिए भी खास है क्योंकि वह अभी तक अफगानिस्तान की सीनियर इंटरनेशनल टीम के लिए डेब्यू नहीं कर पाए हैं। उनके पिता मोहम्मद नबी अभी तक अफगान टीम में एक्टिव हैं, भारत दौरे पर हाल ही में वह वनडे सीरीज खेलकर गए थे। घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बाद ईसाखिल को अब एशियन गेम्स के मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है। 20 साल के हसन को अफगानिस्तान के उभरते बल्लेबाजों में देखा जा रहा है।

टीम में हसन के अलावा मोहम्मद अकरम भी नए खिलाड़ियों में अहम नाम हैं। अकरम ने हाल ही में शापगीजा क्रिकेट लीग में शानदार बल्लेबाजी की थी। उन्होंने आठ पारियों में 339 रन बनाए, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल रहे। वहीं इस्मत आलम ने 294 रन बनाने के साथ 9 विकेट लेकर ऑलराउंड प्रदर्शन किया और उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

चयनकताओं ने पूरी तरह युवा टीम पर भरोसा नहीं किया है। नजीबुल्लाह जादरान और करीम जनत जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को भी स्क्वॉड में रखा गया है। दरवेश रसूली के पास भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव है और वह इससे पहले अफगानिस्तान की कप्तानी कर चुके हैं। टीम में कुल छह ऐसे खिलाड़ी हैं जो अंतरराष्ट्रीय डेब्यू का इंतजार कर रहे हैं।

नबी एक्टिव और अब बेटे की भी एंट्री

इस टीम की सबसे दिलचस्प कहानी मोहम्मद नबी और उनके बेटे हसन से जुड़ी है। नबी ने अभी क्रिकेट से संन्यास नहीं लिया है और हाल के समय तक अफगानिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते रहे हैं। हालांकि एशियन गेम्स की इस टीम में उनका नाम नहीं है। यानी एक तरफ पिता का अंतरराष्ट्रीय करियर अभी खत्म नहीं हुआ है और दूसरी तरफ बेटा अफगानिस्तान के राष्ट्रीय सेटअप में अपनी जगह बना चुका है।

क्या पिता-पुत्र खेले हैं एक साथ इंटरनेशनल गेम?

क्रिकेट में ऐसा कम ही देखने को मिलता है कि पिता खुद सक्रिय करियर में हो और उसी दौरान उसका बेटा भी अपने देश के सीनियर क्रिकेट सेटअप तक पहुंच जाए।

नबी और हसन इससे पहले 2026 में बांग्लादेश प्रीमियर लीग में भी एक साथ खेल चुके हैं। दोनों एक ही पारी में बल्लेबाजी करने उतरे थे और उनके बीच 53 रन की साझेदारी हुई थी। किसी टॉप-लेवल टी20 लीग में पिता-पुत्र की जोड़ी का एक साथ बल्लेबाजी करना अपने आप में खास रिकॉर्ड बना था।

अंतरराष्ट्रीय मैच में तिमोर-लेस्टे देश के 50 वर्षीय पिता सुहैल सत्तार और उनके 17 वर्षीय बेटे या'। सुहैल ने एक साथ एक ही टीम के लिए खेलकर इतिहास रचा था। दोनों ने 2025 में इंडोनेशिया के खिलाफ इंटरनेशनल गेम खेला था।

अफगानिस्तान की टीम

दरवेश रसूली (कप्तान), मोहम्मद इशाक (विकेटकीपर), मोहम्मद अकरम, हसन ईसाखेल, खालिद तानिवाल, इमरान मीर, फैसल खान शिनोजादा, नजीबुल्लाह जादरान, फरमानुल्लाह सफी, इस्मत आलम, करीम जनत, नांग्याल खरोटी, अरब गुल मोमंद, फरीदून दाऊदजई और अब्दुल्लाह अहमदजई।

कौन हैं तारिक मंसूर? नितिन नबीन की 13 सदस्यों वाली टीम में एकमात्र मुस्लिम चेहरा, भाजपा में मिली बड़ी जिम्मेदारी

(जीएनएस)।

भारतीय जनता पार्टी (BJP) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने अपनी नई टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के तौर पर कुल 13 लोगों को जगह दी गई है, जिनमें 6 महिलाएं शामिल हैं। नई टीम में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (AMU) के पूर्व कुलपति प्रोफेसर तारिक मंसूर का नाम भी शामिल है। तारिक मंसूर 13 की टीम में अकेले

मुस्लिम सदस्य हैं। उन्हें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।

उत्तर प्रदेश से आने वाले मंसूर का राजनीति में आने से पहले मेडिकल और शिक्षा के क्षेत्र से लंबा जुड़ाव रहा है। अटव के कुलपति से लेकर उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य तक का उनका सफर काफी चर्चा में रहा है। अब राष्ट्रीय संगठन में जगह मिलने के बाद एक बार फिर तारिक मंसूर सुर्खियों में हैं। आखिर कौन हैं तारिक मंसूर और बीजेपी ने उन्हें इतनी अहम जिम्मेदारी क्यों दी है?

कौन हैं तारिक मंसूर?

प्रोफेसर तारिक मंसूर की पहचान राजनीति में आने से काफी पहले एक डॉक्टर और शिक्षाविद के तौर पर बन चुकी थी। उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में सर्जरी विभाग में प्रोफेसर और प्रिंसिपल के तौर पर काम किया। मेडिकल और शिक्षा के क्षेत्र में लंबा अनुभव रखने वाले मंसूर बाद में अटव के कुलपति बने। उन्होंने 2017 से 2023 तक इस पद की जिम्मेदारी संभाली। उनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय में शिक्षा से जुड़े विस्तार और बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने पर काम हुआ।

कुलपति के बाद राजनीति में आए

AMU के कुलपति पद से हटने के बाद तारिक मंसूर का जुड़ाव राजनीति से हुआ। बीजेपी ने उन्हें उत्तर प्रदेश से विधान परिषद सदस्य बनाया। इसके बाद अब पार्टी ने उन्हें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है। यानी एक डॉक्टर और शिक्षाविद के रूप में करियर शुरू करने वाले तारिक मंसूर अब बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन में अहम भूमिका निभाएंगे।

मुस्लिम समाज तक पहुंच की कोशिश?

मंसूर की नियुक्ति को बीजेपी की मुस्लिम समाज के पढ़े-लिखे और पेशेवर वर्ग तक पहुंच बनाने की कोशिश से भी जोड़कर देखा जा रहा है। एएमयू जैसे बड़े संस्थान के पूर्व कुलपति होने के कारण उनकी पहचान केवल राजनीतिक दायरे तक सीमित नहीं है। बीजेपी के लिए मंसूर का अनुभव और उनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि मुस्लिम समाज के बीच संवाद बढ़ाने में उपयोगी हो सकती है। खासकर उत्तर प्रदेश में पार्टी के लिए यह भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा सकती है।

राष्ट्रीय संगठन में बढ़ा कद

उत्तर प्रदेश से विधान परिषद सदस्य बनने के बाद अब राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलना तारिक मंसूर के राजनीतिक सफर में बड़ा बदलाव है। नितिन नबीन की नई टीम में उन्हें जगह मिलने से साफ है कि पार्टी संगठन में उनके अनुभव को महत्व दे रही है।

अब देखना होगा कि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के तौर पर तारिक मंसूर को किन क्षेत्रों की जिम्मेदारी मिलती है और आने वाले चुनावों में पार्टी उनके अनुभव का किस तरह इस्तेमाल करती है।

'भगत सिंह सबसे बड़े बेवकूफ थे', क्अर रिंकू सिंह राही कौन? जिनके विवादित बोल से मचा बवाल

(जीएनएस)।

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जब देशभर में शहीदों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान को याद किया जा रहा था, वहीं उत्तर प्रदेश के जालौन में एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान आईएएस अधिकारी रिंकू सिंह राही की कथित टिप्पणी ने विवाद खड़ा कर दिया। उरई के कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में राही ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह के विचारों और व्यक्तित्व को लेकर ऐसी बात कही, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में अधिकारी भगत सिंह को आज के समय के हिसाब से 'सबसे बड़ा बेवकूफ' बताते और उन्हें कभी 'अच्छा बच्चा' नहीं होने की बात कहते सुनाई दे रहे हैं। बयान सामने आने के बाद सोशल मीडिया से लेकर प्रशासनिक हलकों तक चर्चा तेज हो गई है।

स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में क्या हुआ?

उरई स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सरकारी कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों समेत कई लोग मौजूद थे। इसी दौरान आईएएस अधिकारी रिंकू सिंह राही ने अपने संबोधन में भगत सिंह के जीवन और विचारों का जिक्र किया। इसी दौरान उनके द्वारा

की गई कथित टिप्पणी का वीडियो सामने आया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों का ध्यान इस बयान की ओर गया और इसे लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आने लगीं।

भगत सिंह को लेकर क्या कहा?

वायरल वीडियो के अंश में रिंकू सिंह राही भगत सिंह को लेकर टिप्पणी करते हुए सुनाई दे रहे हैं। वीडियो के मुताबिक, उन्होंने कहा कि आज के समय के हिसाब से भगत सिंह 'सबसे बड़े बेवकूफ' थे। उन्होंने यह भी कहा कि भगत सिंह कभी 'अच्छे बच्चे' नहीं थे। हालांकि, वायरल वीडियो का सिर्फ एक हिस्सा सामने आया है और उनके पूरे संबोधन का संदर्भ स्पष्ट नहीं है। इसी वजह से बयान को लेकर सोशल मीडिया पर बहस और तेज हो गई है।

बयान के बाद क्यों मचा हड़कंप?

स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व के सरकारी कार्यक्रम में देश के प्रमुख क्रांतिकारी और शहीद भगत सिंह को लेकर की गई कथित टिप्पणी के सामने आने के बाद विवाद बढ़ गया है। भगत सिंह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के सबसे लोकप्रिय क्रांतिकारियों में गिने जाते हैं। ऐसे में एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के मंच से उनके बारे में इस तरह की टिप्पणी किए जाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी लोग वायरल वीडियो को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं और इसे भगत सिंह के अपमान से जोड़ रहे हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो

आईएएस अधिकारी रिंकू सिंह राही से जुड़ा यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो के सामने आने के बाद यूजर्स अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ लोग अधिकारी के बयान पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि कुछ लोग पूरे वीडियो और उसके संदर्भ को सामने रखने की मांग कर रहे हैं। फिलहाल वायरल क्लिप के आधार पर ही बयान को लेकर चर्चा हो रही है। पूरे संबोधन का संदर्भ सामने आने के बाद ही टिप्पणी की पूरी पृष्ठभूमि स्पष्ट हो सकेगी।

भगत सिंह का बलिदान देश के इतिहास का हिस्सा

भगत सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सबसे प्रखर क्रांतिकारियों में शामिल रहे हैं। उन्होंने कम उम्र में ही अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष किया और देश की आजादी के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया। 23 साल की उम्र में उन्हें फांसी दी गई थी। उनका नाम आज भी देश के स्वतंत्रता आंदोलन और शहादत की मिसाल के तौर पर लिया जाता है। ऐसे में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर उनके व्यक्तित्व और विचारों को लेकर आईएएस अधिकारी की कथित टिप्पणी ने इस पूरे मामले को और ज्यादा चर्चा में ला दिया है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा (R.A.M) ने निकाली तिरंगा शोभा यात्रा

लखनऊ राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा (R.A.M) के जिला अध्यक्ष लखनऊ द्वारा देश के आजादी के 79 साल पूरे होने के उपलक्ष में विशाल तिरंगा शोभायात्रा पी जी आई ट्रामा सेंटर वृंदावन से अंसल गोल्फ सिटी तक विशाल शोभायात्रा निकाली जिसमें 1000 से ज्यादा पदाधिकारियों व सदस्यों ने भाग लिया ' मुख्य रूप से लखनऊ के जिला अध्यक्ष नीरज शुक्ला प्रदेश उपाध्यक्ष सियादीन शर्मा प्रदेश कार्यालय प्रभारी भवानी प्रसाद शुक्ला जिला उपाध्यक्ष अरविंद गुप्ता, उपाध्यक्ष मुकेश शुक्ला,महामंत्री प्रकाश सिंह बिष्ट विधानसभा अध्यक्ष आशुतोष दुबे शोभायात्रा के संयोजक युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष श्री रतन शर्मा व युवा टीम एवं जिला के समस्त पदाधिकारी सदस्य कार्यकर्ता सम्मलित हुए`

कौशांबी: वंदना हॉस्पिटल में इलाज के दौरान 19 वर्षीय युवक की मौत, परिजनों ने किया हंगामा, लापरवाही का आरोप

कौशांबी : सैनी थाना क्षेत्र के सिराथू स्थित वंदना हॉस्पिटल में इलाज के दौरान 19 वर्षीय शिव बाबू की मौत हो जाने से हड़कंप मच गया। मौत की सूचना मिलते ही आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया और डॉक्टरों पर लापरवाही का गंभीर आरोप लगाया।

परिजनों का आरोप है कि शिव बाबू को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उसकी हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। लेकिन अस्पताल प्रबंधन ने परिजनों को जानकारी देने के बजाय मृतक को भर्ती दिखाकर अंदर इलाज जारी रखने का दिखावा किया।

आक्रोशित परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि युवक के साथ अस्पताल में मारपीट की गई है। हंगामे की सूचना मिलते ही मौके पर सैनी थाना पुलिस पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

वहीं अस्पताल प्रबंधन का इस मामले में कोई पक्ष सामने नहीं आया है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

इस घटना के बाद क्षेत्र में अस्पताल की कार्यप्रणाली को लेकर लोगों में आक्रोश है। स्थानीय लोगों ने उच्च अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पूर्व विधायक के गांव में बदहाल सड़क और जलनिकासी व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश

गोराजू कौशाम्बी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के ग्रामसभा बनी खास में सड़क और जलनिकासी की बदहाल व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान और सचिव की लापरवाही के चलते गांव में सड़क व नाली की स्थिति काफी खराब हो चुकी है, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ग्रामीणों के अनुसार अनुसूचित जनजाति टोले में सड़क और नाली की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश एवं घरों से निकलने वाला पानी जगह-जगह जमा हो जाता है। इससे गंदगी और जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है।

ग्रामीणों ने बताया कि सफाई कर्मी नियमित रूप से गांव में आता है और साफ-सफाई भी करता है, लेकिन नाली एवं सड़क की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण कुछ ही समय बाद दोबारा जलभराव और गंदगी की स्थिति बन जाती है ग्रामीणों का कहना है कि यदि सड़क, नाली और जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त करा दी जाए तो समस्या का काफी हद तक समाधान हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जिला स्तर के अधिकारियों को मौके पर भेजकर पूरे मामले की जांच कराई जाए तथा ग्राम प्रधान और सचिव को आवश्यक दिशा निर्देश देकर निर्माण एवं जलनिकासी व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए जाएं ग्रामीणों ने यह भी कहा कि बनी खास गांव का राजनीतिक रूप से भी विशेष महत्व है और इसे भाजपा के पूर्व विधायक का गांव बताया जाता है। ऐसे में ग्रामीणों का सवाल है कि जब गांव में ही सड़क और नाली जैसी मूलभूत सुविधाओं की समस्या बनी हुई है तो विकास के दावों का लाभ आम लोगों तक कैसे पहुंचेगा ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं कराया गया तो वे जिलाधिकारी कौशाम्बी को ज्ञापन सौंपेंगे और आवश्यकता पड़ने पर धरना-प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगे।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने तहसील चायल में सुनी जनशिकायतें

(जीएनएस)।

जनपद कौशाम्बी के सभी तहसीलों में आज सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल एवं पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण ने तहसील चायल में जनशिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण व समयान्तर्गत निस्तारित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने राजस्व से सम्बन्धित शिकायतों पर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर भेजकर शिकायत को निस्तारित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को तहसील दिवस में प्राप्त शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुए गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारित करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि कोई भी शिकायत लम्बित न होने पाये। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर संबंधित अधिकारियों को ऑनलाइन आवेदन कराकर पात्रता की स्थिति में लाभान्वित करने के भी निर्देश दिए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 29 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 01 शिकायत का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। इसी प्रकार तहसील सिराथू में कुल 11 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 01 शिकायत का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। तहसील मंझनपुर में कुल 19 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 02 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया।

पैगंबर-ए-इस्लाम की पारिवारिक जिंदगी आज भी इंसानियत के लिए बेहतरीन नमूना: डॉ. मोहम्मद इदरीस नदवी

लखनऊ, 17 अगस्त 2026।

ऑल इंडिया मुस्लिम इंटेलेक्चुअल सोसाइटी के तत्वावधान में मस्जिद इब्राहीमी आगा मीर, लखनऊ में रबीउल अव्वल के अवसर पर आयोजित बारह दिवसीय जश्न-ए-सीरतुन्नबी ﷺ के दूसरे दिन का कार्यक्रम नमाज-ए-इशा के बाद आयोजित हुआ। कार्यक्रम में डॉ. मुफ्ती मोहम्मद इदरीस नदवी ने शिरकत की और प्रभावी संबोधन किया।

डॉ. इदरीस नदवी ने अपने संबोधन की शुरूआत पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद ﷺ के मुबारक वंश और नसब से करते हुए उनके ददियाल और ननिहाल का परिचय प्रस्तुत किया। उन्होंने हजरत हाशिम, हजरत अब्दुल मुत्तलिब और अन्य पूर्वजों की सेवाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि कबीला-ए-हाशिम को कुरैश में विशेष सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त थी। हाजियों की सेवा, आब-ए-जमजम की व्यवस्था तथा जनकल्याण के विभिन्न कार्यों के कारण इस परिवार को अरब समाज में महत्वपूर्ण स्थान हासिल था।

उन्होंने पैगंबर-ए-इस्लाम ﷺ के पिता हजरत अब्दुल्लाह की संक्षिप्त जीवनी, उनके निधन और मदीना मुनव्वरा में स्थित उनके मजार का भी उल्लेख किया। इसके बाद उन्होंने रसूल अकरम ﷺ की औलाद-ए-मुबारक का परिचय देते हुए उनके जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला तथा अहले-बैत की महानता और फजीलत को उजागर किया।

डॉ. नदवी ने रसूल अकरम ﷺ के अपनी अजवाज-ए-मुतहहरात के साथ हुस्न-ए-सुलूक, बच्चों के प्रति शफकत और मोहब्बत के विभिन्न प्रसंगों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज समाज में बढ़ती पारिवारिक कलह, माता-पिता और संतान के बीच कमजोर होते रिश्ते तथा पति-पत्नी के आपसी मतभेदों का प्रभावी समाधान सीरत-ए-नबवी ﷺ में मौजूद है।

उन्होंने कहा कि यदि घरों में प्रेम, सम्मान, त्याग और अच्छे आचरण को बढ़ावा दिया जाए तथा पैगंबर-ए-इस्लाम ﷺ की शिक्षाओं को व्यवहारिक जीवन का हिस्सा बनाया जाए तो परिवार मजबूत, समाज शांतिपूर्ण और आने वाली पीढ़ियां संस्कारवान बन सकती हैं।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों से सीरत-ए-नबवी ﷺ के उज्ज्वल पहलुओं से सीख लेने और अपने जीवन में पैगंबर ﷺ के आदर्श चरित्र एवं नैतिक शिक्षाओं को अपनाने की अपील की गई।

सीरत-ए-नबवी ﷺ के तीसरे दिन मौलाना जहांगीर आलम कासमी शिरकत करेंगे और अहद-ए-नबवी ﷺ के प्रारंभिक हालात पर प्रकाश डालेंगे।

कार्यक्रम में शहर के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। महिलाओं की भी उल्लेखनीय संख्या मौजूद रही। इस अवसर पर हमाद निगरानी साहब, हाजी कमाल साहब, मोहम्मद जाहिद, एडवोकेट मोहम्मद सुहैल, मोहम्मद मुशीर, मोहम्मद वसीम, सुहैल भाई, मौलाना मोहम्मद मुख्तार कासमी, हाफिज मोहम्मद अदील सिद्दीकी सहित मस्जिद के अन्य जिम्मेदारान और सदस्य उपस्थित रहे।

अंत में पूरी उम्मत-ए-मुस्लिमा की सलामती, अमन और तरक्की के लिए दुआ की गई, जिसके साथ सभा का समापन हुआ।

कलर्स का नया शो '108 बेस हॉस्पिटल - उरी', देखिए हर शनिवार और रविवार रात 8 बजे, सिर्फ कलर्स और जियोहॉटस्टार पर।

आज हम जिस आजादी का जश्न मना रहे हैं, वह अनगिनत साहसिक कारनामों की विरासत है झ कुछ युद्धभूमि पर जीते गए, तो कुछ आर्मी हॉस्पिटल के गलियारों में, जहाँ मिशन हर उस सैनिक को बचाना है जो देश के लिए लड़ रहा है। इस स्वतंत्रता दिवस पर कलर्स आर्मी डॉक्टर्स की अनसुनी बहादुरी का सम्मान करता है '108 बेस हॉस्पिटल झ उरी' के साथ झ यह पहली बार पेश की जाने वाली आर्मी हॉस्पिटल सीरीज है और एक अनोखी फाइनाइट सीरीज भी। दर्शकों तक दमदार और अलग कहानियाँ पहुँचाने की अपनी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए कलर्स अब उस युद्धभूमि पर रोशनी डाल रहा है जहाँ डॉक्टर्स के हथियार हैं सेवा, साहस और समर्पण। उरी के इंडियन आर्मी बेस हॉस्पिटल में सेट यह शो उन असाधारण डॉक्टर्स, नर्सों और मेडिकल स्टाफ की कहानी है जो निस्वार्थ भाव से समय के खिलाफ जंग लड़ते हैं, घायल सैनिकों को फिर से फ्रंटलाइन और अपने परिवारों तक लौटने का एक और मौका देते हैं। एपिक कंपनी द्वारा निर्मित और ए गेम एंटरटेनमेंट द्वारा सह निर्मित इस शो में एरिका फर्नांडिस डॉ. मेजर नैना के रूप में, गश्मीर महाजनी डॉ. मेजर अनिरुद्ध के रूप में और निखिल खुराना मेजर समीर दीक्षित के रूप में नजर आएंगे। आयोशी तालुकदार डॉ. कैप्टन मिली बनर्जी की भूमिका निभा रही हैं, हितेन तेजवानी डॉ. कर्नल सुयार्कांत ठाकुर के रूप में और स्मिता बंसल लेफ्टिनेंट कर्नल प्रिंसिपल मैट्रन कविता झा के रूप में दिखाई देंगी। '108 बेस हॉस्पिटल झ उरी' का प्रीमियर 15 अगस्त को हुआ और इसके बाद हर शनिवार रविवार रात 8:00 बजे केवल कलर्स और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित हो रहा है।

शो के बारे में बात करते हुए, आलोक जैन, हेड झ हिंदी और इंग्लिश एंटरटेनमेंट (स्ट्रीमिंग, टीवी और स्टूडियोज), जियोस्टार कहते हैं, ह्लकलर्स और जियोहॉटस्टार में हम मानते हैं कि सबसे असरदार कहानियाँ वही होती हैं जो परंपराओं को चुनौती देती हैं और मनोरंजन की सीमाओं को आगे बढ़ाती हैं। हम स्क्रीन एग्नॉस्टिक सोच को अपनाते हैं और दर्शकों को हर मूड और पसंद के लिए विविध कंटेंट उपलब्ध कराते हैं झ पाथ ब्रेकिंग फिक्शन से लेकर आइकॉनिक नॉन फिक्शन प्रॉपर्टीज तक; कॉमेडी और भावनाओं से जुड़ी कहानियों से लेकर रोमांचक ड्रामा तक; फाइनाइट सीरीज से लेकर लंबे समय तक चलने वाले शोज की स्थायी भावना तक। यह विविध दृष्टिकोण कंटेंट को अलग अलग प्लेटफॉर्म्स पर अपने दर्शक खोजने में मदद करता है, जिससे दर्शक अपनी पसंद के अनुसार चुन सकें और एक संतोषजनक देखने का अनुभव पा सकें। '108 बेस हॉस्पिटल झ उरी' के साथ हम दर्शकों को एक ऐसी दुनिया दिखा रहे हैं जिसे बहुत कम खोजा गया है, जो इंडियन आर्म्ड फोर्सेज में सेवा कर रहे मेडिकल हीरोज के असाधारण साहस, करुणा और दृढ़ता का जश्न मनाती है। जैसे जैसे हम विविध और दमदार कंटेंट स्लेट तैयार करते जा रहे हैं, हमारा प्रयास है कि दर्शकों तक ऐसी कहानियाँ पहुँचाएँ जो न केवल मनोरंजन करें बल्कि गहराई से प्रेरित करें और भावनात्मक रूप से जुड़ाव पैदा करें।ह्व

108 बेस हॉस्पिटल झ उरी के केंद्र में है डॉ. मेजर नैना, जिसे एरिका फर्नांडिस निभा रही हैं एक सशक्त और दृढ़ आर्मी डॉक्टर जो दबाव में भी शांत रहती है और हर मरीज का इलाज अटूट समर्पण और बिना किसी भेदभाव के करती है। उनके साथ खड़े हैं डॉ. मेजर अनिरुद्ध, गश्मीर महाजन द्वारा निभाया गया किरदार, जिनकी करुणा उनके क्लिनिकल प्रिसीजन और कर्तव्यनिष्ठा से मेल खाती है। भले ही उनके अतीत में कुछ अनसुलझे मतभेद हैं, लेकिन उनके पेशे के प्रति समर्पण किसी भी व्यक्तिगत संघर्ष से बड़ा है। कहानी में एक और आयाम जोड़ते हैं मेजर समीर दीक्षित, निखिल खुराना द्वारा निभाया गया किरदार, जिन्हें उनके साथी 'टाइगर' कहते हैं और युद्धभूमि पर उनकी बहादुरी के लिए सम्मानित करते हैं। खतरे का सामना करने के आदी समीर हर मिशन में वही दृढ़ता और संकल्प लेकर आते हैं। नैना की बुद्धिमत्ता और विनम्रता से प्रभावित होकर समीर उनके प्रति भावनाएँ विकसित करने लगते हैं, जिससे तीनों के बीच एक दिलचस्प भावनात्मक समीकरण बनता है। लेकिन जब ड्यूटी बुलाती है, तो हर मतभेद, हर भावना और हर व्यक्तिगत संघर्ष पीछे छूट जाता है, और वे एकजुट होकर सैनिकों की जान बचाने के मिशन में लग जाते हैं।

डॉ. मेजर नैना की भूमिका निभाते हुए एरिका फर्नांडिस कहती हैं, ह्लजब मैंने यह स्क्रिप्ट पढ़ी तो मेरे मन में सबसे पहला विचार यही आया कि डॉ. मेजर नैना जैसा किरदार कितना सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। मेरा सच्चा विश्वास है कि जब भी स्क्रीन पर एक मजबूत और सशक्त महिला दिखाई देती है, वह हम सबके लिए एक बड़ी जीत होती है। डॉ. मेजर नैना को और भी प्रेरणादायक बनाता है कि वह एक साथ दो वर्दियाँ पहनती हैं; वह एक सैनिक की जिम्मेदारी और एक डॉक्टर की करुणा दोनों निभाती हैं। वह सिर्फ ज़िंदगियाँ बचा नहीं रही हैं, बल्कि उन्हें ठीक भी कर रही हैं, और यही कर्तव्य भावना उन्हें बेहद खास बनाती है। इन आधुनिक, अनकहे हीरोज का जश्न मनाना बेहद संतोषजनक है, जो हमारे देश के सबसे चुनौतीपूर्ण कोनों में उम्मीद, रोशनी और उपचार लेकर आते हैं। जय हिंद!ह्व

डॉ. मेजर अनिरुद्ध की भूमिका निभाते हुए गश्मीर महाजन कहते हैं, ह्लस्वतंत्रता दिवस पर शो का प्रीमियर होना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है! '108 बेस हॉस्पिटल झ उरी' मेरे लिए ड्यूटी, संघर्ष और परिवार के बारे में सीखी गई हर बात का भावनात्मक माध्यम है। डॉ. मेजर अनिरुद्ध की भूमिका निभाना मेरे लिए एक बड़ी जिम्मेदारी है। मेरा किरदार उन बहादुर सैनिकों की ज़िंदगियाँ बचाने का काम करता है जो देश के लिए अपनी जान न्यौछावर करने को तैयार रहते हैं। इन अनकहे योद्धाओं पर रोशनी डालना मेरे लिए एक महान सौभाग्य है। इस शो में साहस का मतलब सिर्फ वीरता दिखाना नहीं है, बल्कि रोजाना उन लोगों के लिए सहारा बनना है जो सबसे कमजोर स्थिति में होते हैं। मेरी उम्मीद है कि यह शो पूरे देश को उन अनगिनत हीरोज के प्रति गहरी सराहना देगा जिनकी सेवा अक्सर अनदेखी रह जाती है।ह्व

एपिक कंपनी के प्रोड्यूसर समर खान कहते हैं, ह्लशुरूआत से ही हमारा विजन '108 बेस हॉस्पिटल झ उरी' को एक ऑथेंटिक कहानी बनाना था जो दर्शकों को एक ऐसी दुनिया दिखाए जो उन्होंने शायद ही कभी देखी हो। जब चांदनी आर्या ने मुझे यह कॉन्सेप्ट बताया, तो मैं तुरंत उस दुनिया की ओर आकर्षित हुआ जिसे वह दिखाना चाहती थीं। हमने हमेशा एक-दूसरे की क्रिएटिव सोच का सम्मान किया है और हम दोनों इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित थे। अक्सर फ्रंटलाइन की कहानियाँ बताई जाती हैं, लेकिन हम उन असाधारण आर्मी डॉक्टरों, नर्सों और मेडिकल टीमों की यात्रा सामने लाना चाहते थे जो लगातार सैनिकों की जान बचाने के लिए काम करते हैं। इस दुनिया को जीवंत बनाने के लिए महीनों की रिसर्च की गई, आर्मी डॉक्टरों और अधिकारियों के वास्तविक अनुभवों से प्रेरणा ली गई, ऑथेंटिक लोकेशंस पर शूटिंग की गई और मिलिट्री व मेडिकल कंसल्टेंट्स के साथ मिलकर हर डिटेल को सच्चा बनाने की कोशिश की गई। मैं कलर्स का धन्यवाद करना चाहता हूँ कि उन्होंने '108 बेस हॉस्पिटल झ उरी' के विजन पर विश्वास किया और हमें यह असली और अनकही कहानी दर्शकों तक पहुँचाने का अवसर दिया।ह्व

'108 बेस हॉस्पिटल झ उरी' हर शनिवार-रविवार रात 8:00 बजे सिर्फ कलर्स और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित किया जाएगा।

एसयू-57 खरीदना होगी बड़ी भूल, रूसी जेट के जाल में उलझती चली जाएगी वायुसेना, पूर्व आईएएफ चीफ को क्यों ऐसा डर

(जीएनएस)।

पूर्व वायुसेना प्रमुख आरकेएस भदौरिया ने रूस से Su-57 फाइटर जेट खरीदने के खिलाफ चेतावनी दी है. उनका कहना है कि तात्कालिक जरूरत के नाम पर Su-57 की छोटी खरीद भी धीरे-धीरे बड़ी फ्लीट में बदल सकती है. इससे भारत के स्वदेशी 5G स्टील्थ फाइटर प्रोजेक्ट AMCA का बजट, संसाधन और भविष्य खतरे में पड़ जाएगा.

पूर्व वायुसेना चीफ ने चिंता जाहिर की.

नई दिल्ली. भारतीय वायुसेना के पूर्व प्रमुख एयर चीफ मार्शल (रिटायर्ड) आरकेएस भदौरिया ने रूस के 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान Su-57 को लेकर एक अहम और कड़ी चेतावनी दी है. उनका स्पष्ट मानना है कि भारतीय वायुसेना की 5वीं पीढ़ी के फाइटर जेट्स की तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के नाम पर रूसी Su-57 खरीदना एक खतरनाक कदम साबित हो सकता है. यह फैसला भले ही थोड़े समय के लिए राहत दे लेकिन यह भारत के अपने अति-महत्वकांक्षी स्वदेशी 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान प्रोजेक्ट यानी AMCA के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है.

स्टॉपगैप खरीदारी से स्वदेशी अटउअ को नुकसान का डर

मार्च 2024 में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (CCS) ने AMCA प्रोजेक्ट के लिए 15,000 करोड़ रुपये की मंजूरी दी थी. यह भारत का इकलौता स्वदेशी 5G स्टील्थ फाइटर प्रोजेक्ट है. पूर्व वायुसेना प्रमुख भदौरिया का कहना है कि अगर भारत शुरूआत में केवल 2 स्क्वाड्रन खरीदने के इरादे से भी Su-57 डील करता है तो सैन्य खरीदारी के रुझान को देखते हुए यह आंकड़ा धीरे-धीरे बढ़कर 4 या 8 स्क्वाड्रन तक पहुंच जाएगा.

तो फंड की कमी के चक्कर में फंस जाएगा AMCA

जब कोई विदेशी लड़ाकू विमान वायुसेना का हिस्सा बनता है तो उसके लिए ट्रेनिंग, मेंटेनेंस, इंफ्रास्ट्रक्चर और हथियारों का एक पूरा इकोसिस्टम तैयार हो जाता है. ऐसे में बार-बार उसी विदेशी विमान को ज्यादा संख्या में खरीदना आसान लगने लगता है. इसका सीधा असर भारत के AMCA प्रोजेक्ट पर पड़ेगा क्योंकि भारी बजट, इंफ्रास्ट्रक्चर और कुशल मैनपावर विदेशी जेट्स के खाते में चली जाएगी और स्वदेशी प्रोजेक्ट फंड की कमी से जूझने लगेगा.

AMCA के लिए डेडलाइन का पालन करना जरूरी

हालांकि, पूर्व एयर चीफ ने सिर्फ विदेशी खरीद का विरोध ही नहीं किया बल्कि AMCA प्रोजेक्ट से जुड़ी एजेंसियों (DRDO, ADA और HAL) को भी साफ संदेश दिया है. उन्होंने कहा कि स्वदेशी प्रयासों के नाम पर परियोजनाओं में लगातार देरी को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता. अतीत में तेजस Mk2 जैसे प्रोजेक्ट्स में हुई देरी ने वायुसेना की परिचालन तैयारियों को प्रभावित किया है. AMCA एक जटिल प्रोजेक्ट है जिसमें स्टील्थ डिजाइन, इंटरनल वेपन बे, एडवांस्ड सेंसर्स और पावरफुल जेट इंजन जैसी तकनीक शामिल हैं. अगर 2028-29 तक इसका प्रोटोटाइप रोलआउट करने के लक्ष्य में चूक हुई तो वायुसेना पर विदेशी जेट्स खरीदने का दबाव और बढ़ जाएगा. इसलिए भारत को Su-57 के मोह से दूर रहकर अटउअ को तय समय सीमा में पूरा करने पर ही पूरा ध्यान केंद्रित करना चाहिए.

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 सितम्बर को

जिला जज/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में दीवानी न्यायालय, कौशाम्बी में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन दिनांक 12 सितम्बर, 2026 को किया जाएगा।

यह जानकारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने देते हुए बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर दुर्घटना दावा याचिकाओ, पारिवारिक वाद, बैंक वसूली, एन.आई.एक्ट, विधुत के मामले, श्रम सम्बन्धी, लेबर सम्बन्धी, जमीन सम्बन्धी, चालानी व अन्य प्रकार से सम्बन्धित शमनीय वादों का निस्तारण किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी के लिए इस कांस्टेबल ने छोड़ी नौकरी, 2029 चुनाव तक जूते-चप्पन न पहलने का लिया प्रण

(जीएनएस)।

गुजरात के एदेशर थाने में तैनात कांस्टेबल रामगार मोहनगर गोसाई ने नौकरी से इस्तीफा दे दिया है। उनका कहना है कि वे मोदी सरकार और संघ का साथ देना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कसम खाई है कि जब तक 2029 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिर से सत्ता में नहीं आ जाते, वे जूते-चप्पल नहीं पहनेंगे। एक वीडियो मैसेज में गोसाई ने बताया कि दिल्ली में हुए हालिया प्रदर्शनों और मोदी के युवाओं को ध्यान में रखकर लिए गए फैसलों से वे काफी प्रभावित हुए हैं।

गोसाई ने नौकरी छोड़ने को नैतिक कर्तव्य बताया

गोसाई ने साफ किया है कि 2029 तक वे जूते-चप्पल नहीं पहनेंगे। इसे वे अपना निजी वादा मान रहे हैं। एक अच्छी सरकारी नौकरी पाने के लिए उन्होंने खूब मेहनत की थी, लेकिन उनका कहना है कि नौकरी छोड़ना उनके लिए एक नैतिक फर्ज था।

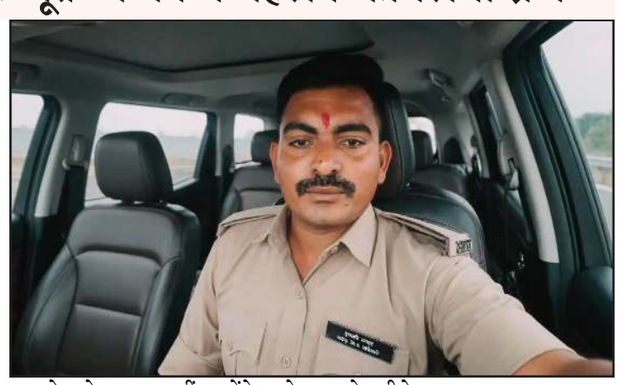

इसके पीछे उनका मकसद सरकार विरोधी बातों का सामना करना और मोदी सरकार के साथ राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (RSS) के प्रति अपने समर्थन पर मजबूती से टिके रहना है।

करेली में बारिश के बाद जलभराव से मचा हड़कंप, पुलिस और एनडीआरएफ ने संभाला मोर्चा

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र के जसीर की पुलिया के पास सोमवार को भारी बारिश के बाद पूरे इलाके में जलभराव की स्थिति बन गई। कई घरों में बारिश का पानी भर गया, जबकि एक घर की दीवार में क्रैक आने से लोगों में चिंता बढ़ गई।

सूचना मिलते ही अउढ अतर सुइया राम सिंह थाना अध्यक्ष करेली सच्चिदानंद सिंह,समेत करेली पुलिस टीम और ठऊफ्रऋ के जवान तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। जलभराव के कारण कई घरों में लोग फंस गए थे। स्थिति को देखते हुए पुलिस और ठऊफ्रऋ की टीम ने तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। बोट की मदद से कई घरों में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

पुलिस और ठऊफ्रऋ की तत्परता से किसी बड़े हादसे को टालने में सफलता मिली। मौके पर पहुंची टीम ने जलभराव वाले इलाकों का निरीक्षण कर लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया।

करेली पुलिस की त्वरित कार्रवाई और ठऊफ्रऋ के जवानों की मुस्तैदी ने बारिश से उत्पन्न संकट के बीच लोगों को बड़ी राहत दी।

पहले सपाई हड़प लेते थे कार्ड, अब 15 करोड़ लोगों को मिल रहा मुफ्त राशन का लाभः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोटेदारों का लाभांश ₹90 से बढ़ाकर ₹125 प्रति क्विंटल किया, साथ ही सपा पर गरीबों का राशन हड़पने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अब 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है और राशन दुकानों को 'अन्नपूर्णा भवन' कहा जाएगा।

(जीएनएस)।

लखनऊ। सरकारी राशन विक्रेताओं (कोटेदारों) का लाभांश 90 रुपये से बढ़ाकर 125 रुपए प्रति क्विंटल करने की घोषणा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा को सीधे निशाने पर लिया। कहा कि पहले कोई न कोई सपाई गरीबों का राशन कार्ड रख लेता था। इससे वास्तविक कार्डधारकों की भूख से मृत्यु तक हो जाती थी, कोई ऐसा अब नहीं कर सकता है।

राज्य 15 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन मिल रहा है। निराश्रितों, दिव्यांगों का राशन उनके घर तक पहुंच रहा है। दो करोड़ परिवारों को फ्री में रसोई गैस के कनेक्शन मिला। अन्नपूर्णा भवन बन रहे हैं। अब कोटेदारों को अन्नपूर्णा भवन संचालक कहा जाएगा।

सीएम ने कहा कि कोटेदार विश्वास के प्रतीक के रूप में पहचान बनाएं। अन्नपूर्णा भवन के निर्माण तेजी से कराइये। राशन वितरण 7-10 दिन करेंगे, शेष 20 दिन वेयरहाउस का उपयोग अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं।

लोकल को ग्लोबल बनाने का प्रयास

एक जिला एक उत्पादन की होली-दीवाली बिक्री करेंगे तो स्थानीय कारीगर, हस्तशिल्पी प्रोत्साहित होगा। उन्होंने कहा कि जब हमारा धन विदेशों में जाता है तो उसका एक हिस्सा आतंकवाद भड़काने और भारत को अस्थिर करने में खर्च होता है। सीएम ने अपील की कि स्वदेशी को प्राथमिकता दें, लोकल को ग्लोबल बनाने की दिशा में प्रयास करें।

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रावण मास के तीसरे सोमवार की शुभकामना देते हुए लोकभवन में सिंगल स्टेज डोर-स्टेप डिलीवरी के अंतर्गत ई-पास आधारित उचित दर विक्रेता फीडबैक प्रणाली का शुभारंभ किया। प्रदेश के 78 हजार से अधिक उचित दर विक्रेताओं का लाभांश 90 रुपये से बढ़ाकर 125 रुपये प्रति क्विंटल करने आदेश दिया। कहा कि केंद्र सरकार को पत्र लिखकर 25 रुपये और बढ़ाने की मांग की है।

उचित मूल्य विक्रेता निराश्रित, गरीब, दिव्यांगजन और सरकार के बीच सेतु का काम करते हैं। कहा कि वर्ष 2017 से पहले राशन सरकार नहीं भेजती थी, गाली कोटेदारों को खानी पड़ती थी। कोटेदार शब्द से लोगों को चिढ़ सी होती थी। उस समय राज्य की 20-22 करोड़ की आबादी शक की निगाहों से देखी जाती थी। 2017 के पहले जो लोग यूपी से दूरी बनाते थे, पिछले साढ़े 9 वर्ष के भीतर वही लोग अब यूपीवालों को गले लगाते हैं। यह परिवर्तन डबल इंजन सरकार की ताकत है।

सीएम ने बताया कि पहले जनता दर्शन में हजार प्रार्थना पत्र आते थे तो इसमें से 300 राशन से जुड़ी होती थीं। अब शिकायत नहीं आती है। कोटेदारों की पीठ थपथपाते हुए कहा कि कोरोना संक्रमण के दौरान जब काम-धंधा बंद हुआ तो दाल, नमक और तेल का वितरण शुरू किया। एक भी शिकायत नहीं आई। 2017 के पहले बिचौलिए के कारण किसान को एमएसपी का लाभ नहीं मिलता था। अब डीबीटी के माध्यम से किसानों के खाते में पैसा जा रहा है।

उप्र सस्ता गल्ला विक्रेता परिषद के अध्यक्ष अशोक कुमार मेहरोत्रा, आल इंडिया फेयर प्राइस शाप डीलर एसोसिएशन के राजेश तिवारी, आदर्श कोटेदार कमलेश कुमार मिश्र, उपभोक्ता वेलफेयर एसोसिएशन के लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद पत्र प्रदान किया तो सीएम ने भी मंच से आभार जताया। इससे पहले उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कोटेदारों को अन्नपूर्णा भवन संचालक नाम देने का आग्रह किया। मनोज पांडेय ने विभाग की उपलब्धियां गिनायी और उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य समेत अन्य लोगों ने भी कोटेदारों को संबोधित किया।

39 प्रकार की खाद्य सामग्री की बिक्री होगी

पीएम के आदेश पर उचित दर विक्रेता से जुड़ी दुकान को अन्नपूर्णा भवन के रूप में निर्मित किया जा रहा है। इस वर्ष इस मद में 500 करोड़ रुपये दिए गए हैं। वहां दुकान व गोदाम की व्यवस्था होगी। पहले केवल राशन बटता था। अब 39 खाद्य सामग्री अपनी दुकानों से बेच सकते । नशीले,ज्वलनशील पदार्थ या देश, समाज के प्रतिकूल आचरण से जुड़े सामान की बिक्री नहीं होगी।

गोरखपुर : PRD जवानों के बड़ा तोहफा, खाते में 3000 भेजेगी योगी सरकार; स्वयंसेवकों को मिलेंगे कैशलेस चिकित्सा कार्ड

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को गोरखपुर में पीआरडी जवानों को 3000 रुपये वर्दी भत्ता देंगे और कैशलेस चिकित्सा सुविधा कार्ड वितरित कर 'मुख्यमंत्री पीआरडी परिवार कल्याण योजना' शुरू करेंगे।

(जीएनएस)।

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार (18 अगस्त) को गोरखपुर से प्रदेशभर के पीआरडी (प्रांतीय रक्षक दल) जवानों पर उपहारों की बौछार करेंगे। योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित पीआरडी जवानों के सम्मेलन को संबोधित करने के साथ-साथ मुख्यमंत्री इन जवानों के लिए 3000 रुपये वर्दी भत्ता की धनराशि उनके खातों में अंतरित करेंगे।

इसके साथ ही वह पीआरडी स्वयंसेवकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा कार्ड का वितरण कर 'मुख्यमंत्री पीआरडी परिवार कल्याण योजना' का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर रिमोट का बटन दबाकर लखनऊ में बनने वाले बहुमंजिला पीआरडी बैरक का शिलान्यास भी करेंगे।

विज्ञापन हटाएंसिर्फ खबर पढ़ें

पीआरडी जवानों के कल्याण के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सदैव संवेदनशील पहल करते रहे हैं। इन जवानों का ड्यूटी भत्ता बढ़ाने का श्रेय भी सीएम योगी को ही है। पहले इन जवानों को 395 रुपये ड्यूटी भत्ता मिलता था जिसे योगी सरकार ने बढ़ाकर 500 रुपये प्रतिदिन कर दिया।

उपलब्ध होने जा रहा कैशलेस चिकित्सा कार्ड

अब सरकार उनका वर्दी भत्ता भी

बढ़ा रही है। साथ ही इलाज संबंधी चिंताओं से मुक्त करते हुए जवानों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड भी उपलब्ध होने जा रहा है। वृद्धि के साथ वर्दी भत्ता की धनराशि का बैंक खातों में अंतरण और कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण का शुभारंभ मंगलवार (18 अगस्त) को पूर्वाह्न 11 बजे से गोरखपुर में आयोजित पीआरडी जवान सम्मेलन में सीएम योगी द्वारा किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि 1948 में गठित प्रांतीय रक्षक दल के जवान (स्वयंसेवक) थानों, यातायात व्यवस्था में पुलिस का सहयोग करने के साथ विभिन्न शासकीय कार्यालयों, धार्मिक स्थलों और बड़े आयोजनों में ड्यूटी कर सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाने रखने में सहयोग करते हैं। पर, योगी सरकार से पहले ये जवान उपेक्षा के शिकार बने रहते थे।

31 हजार से अधिक स्वयंसेवक हैं पंजीकृत

वर्तमान में 821 ग्रामीण कंपनियों (विकास खंड स्तर पर) का गठन प्रदेश के समस्त जनपदों में है। विभागीय पोर्टल पर 31,130 पीआरडी जवान पंजीकृत हैं, जिसमें से 2,500 महिला स्वयंसेवक हैं। 29,000 से अधिक पीआरडी स्वयंसेवक कार्यरत हैं, जिसमें से 2,000 महिला स्वयंसेवक हैं।

यह भी पढ़ें- युवाओं को माफिया से बचाना जरूरी, भविष्य खराब करने वालों के खिलाफ सरकार कर रही सख्त कार्रवाई : उट योगी

इसके साथ ही वर्तमान में पहली बार प्रदेश के 11 बड़े नगरों लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर नगर, बरेली, आगरा, अलीगढ़, मेरठ, मुरादाबाद एवं गौतमबुद्धनगर में शहरी कम्पनी की स्थापना का प्रावधान किया गया है।

'गाइज, मैंने पीएम मोदी से हाथ मिलाया...' प्रधानमंत्री से मिलने के बाद बच्चे का रिएक्शन वायरल

सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्कूली बच्चों की मुलाकात का वीडियो वायरल हो रहा है. यह वीडियो स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान का है, जब पीएम मोदी बच्चों से मिल रहे थे. वीडियो में बच्चों का उत्साह और पीएम मोदी से बातचीत का पल लोगों का ध्यान खींच रहा है.

(जीएनएस)।

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्कूली बच्चों के साथ एक भावुक पल कैद हुआ है, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में साफ दिखता है कि बच्चों में पीएम मोदी को अपने करीब देखकर कितनी उत्सुकता और उत्साह था.

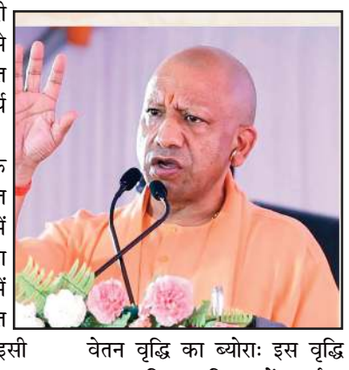

वायरल वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल साफा पहने स्कूली बच्चों की तरफ आते नजर आते हैं. जैसे ही बच्चों को एहसास होता है कि पीएम मोदी उनकी तरफ बढ़ रहे हैं, उनके एक्साइटमेंट का लेवल बढ़

जाता है. इसी दौरान भीड़ में से एक आवाज आती है-हमारी तरफ ध्यान नहीं देंगे क्या मोदी जी.

इसके जवाब में कोई कहता है- अरे हो सकता है." फिर एक और आवाज आती है- "यार! ओ भाई! गाइज मैंने अभी-अभी PM मोदी से हाथ मिलाया है, सब्सक्राइब माय फ्रेंड.यह हल्का-फुल्का पल दिखाता है कि बच्चे और युवा किस तरह प्रधानमंत्री को करीब से देखकर अपनी खुशी छिपा नहीं पा रहे थे.

यह वीडियो 15 अगस्त 2026 का है, जब देश अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा था. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार 13वीं बार लाल किले की प्राचीर से तिरंगा फहराया और देश को संबोधित किया. अपने भाषण में उन्होंने 2047 तक विकसित भारत के विजन की रूपरेखा रखी और युवाओं को इसका सबसे बड़ा लाभार्थी और प्रमुख वाहक बताया. उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग,

अगले एक साल में एक करोड़ युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रशिक्षण देने वाला स्किलिंग कार्यक्रम और 5 से 15 वर्ष के बच्चों के लिए देशव्यापी खेल प्रतिभा खोज अभियान की घोषणा की.

भाषण खत्म होते ही और वंदे मातरम् व राष्ट्रगान की प्रस्तुति के बाद, प्रधानमंत्री जहां स्कूली बच्चे, NCC कैडेट्स और My BhÔrÔt वॉलंटियर्स बैठे थे. उन्होंने कई बच्चों से हाथ मिलाया, उनका अभिवादन स्वीकारा और उनसे बातचीत की.

इसी मौके पर एक और भावुक पल भी सामने आया, जब एक बच्ची का पैर छूते वक्त उसकी टोपी गिर गई और पीएम मोदी ने खुद झुककर उसे उठाकर बच्ची को पहनाई.

परिवहन निगम के आउटसोर्स कार्मिकों को योगी सरकार का तोहफा, मानदेय में पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी

परिवहन निगम में कार्यरत आउटसोर्स कार्मिकों के मानदेय में प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत वृद्धि का प्रावधान है। इसके तहत जनवरी में 5 प्रतिशत और जुलाई में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाती है। इसी व्यवस्था के तहत जुलाई से इन कार्मिकों को बढ़ा हुआ मानदेय दिया जाएगा।

(एजेंसी)।

लखनऊ , योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश परिवहन निगम में कार्यरत आउटसोर्स कार्मिकों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए उनके मानदेय में जुलाई से 5 प्रतिशत की वृद्धि की है। परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि कंप्यूटर ऑपरेटर, लेखाकार कम टैली ऑपरेटर और प्रोग्रामर के मानदेय में यह बढ़ोतरी की गई है। सरकार के इस निर्णय से इन कार्मिकों को आर्थिक राहत मिलने के साथ ही उन्हें बेहतर कार्य के लिए प्रोत्साहन भी मिलेगा।

परिवहन मंत्री ने बताया कि परिवहन निगम में कार्यरत आउटसोर्स कार्मिकों के मानदेय में प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत वृद्धि का प्रावधान है। इसके तहत जनवरी में 5 प्रतिशत और जुलाई में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाती है। इसी व्यवस्था के तहत जुलाई से इन कार्मिकों को बढ़ा हुआ मानदेय दिया जाएगा। सरकार का यह कदम कर्मचारियों और कार्मिकों के हितों के प्रति उसकी संवेदनशीलता को दशार्ता है।

वेतन वृद्धि का ब्योराः इस वृद्धि का लाभ परिवहन निगम में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर के 249 कार्मिकों को मिलेगा। इनका मानदेय लगभग 20,655 रुपये से बढ़कर 21,420 रुपये तक हो जाएगा। इसी तरह लेखाकार कम टैली ऑपरेटर के 35 कार्मिकों के मानदेय में भी वृद्धि की गई है और उनका वेतन लगभग वरिष्ठता के क्रम में 20 हजार से 26 हजार रुपये तक हो जाएगा। वहीं प्रोग्रामर पद पर कार्यरत 26 कार्मिकों का मानदेय करीब 42,000 रुपये से बढ़कर 43,313 रुपये तक हो जाएगा।

परिवहन मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की सेवाओं को सुचारु, आधुनिक और प्रभावी बनाने में आउटसोर्स कार्मिकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। ऐसे में उनके मानदेय में नियमित वृद्धि से न केवल उन्हें आर्थिक संबल मिलेगा, बल्कि कार्य के प्रति उत्साह और प्रतिबद्धता भी बढ़ेगी।

सफाई में 98% पास, फिर भी लाइसेंस सस्पेंड! हाईकोर्ट ने एफडीए को फटकारा, कहा- 5 लाख मुआवजा दो

बॉम्बे हाईकोर्ट ने FDA को पुणे की एक मिठाई दुकान को 5 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है. दुकान को 98% स्वच्छता अंक मिलने के बावजूद एक महीने से अधिक समय तक बंद रखा गया था, जिसे हाईकोर्ट ने गलत ठहराया. एफडीए की अपील लंबित होने की दलील को खारिज करते हुए कोर्ट ने दुकान को तुरंत खोलने की अनुमति दी है.

बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र खाद्य और औषधि प्रशासन (FDA) को कड़ी फटकार लगाते हुए पुणे की एक मिठाई दुकान को 5 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है. अदालत ने ऋछ्रऋ पर नागरिकों को प्रताड़ित करने और प्रशासनिक मनमानी का आरोप लगाया है.

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश रवींद्र वी. घुगे और जस्टिस गौतम ए. अंखाड़ की बेंच ने 'गुरुनानक डेयरी एंड स्वीट्स' के निलंबन आदेश को रद्द कर दिया है. हाईकोर्ट ने कहा कि सफाई जांच में 98 प्रतिशत अंक मिलने के बावजूद दुकान को एक महीने से ज्यादा समय तक बंद रखना पूरी तरह से गलत था.

अदालत ने एफडीए की इस दलील को पूरी तरह खारिज कर दिया कि आंतरिक अपील लंबित होने के कारण दुकान बंद रखी गई थी. बेंच ने इसे एक 'लंगड़ा बहाना' करार दिया. इसके साथ ही मिठाई दुकान को तुरंत अपना कामकाज शुरू करने की अनुमति दी है.

मामले की सुनवाई करते हुए बेंच ने टिप्पणी की, 'ये पूरी तरह से मनमानी है. बेहद अजीब नीतियां हैं. कम ही कहें तो बेहतर होगा. एक बार जब दुकान को 98% अंकों के साथ हरी झंडी मिल जाती है, तो आप कहते हैं कि जाओ और अपील दायर करो. ये क्या है? ये सिर्फ नागरिकों को प्रताड़ित करना है.'

क्या था पूरा मामला?

दरअसल 12 जून को फूड पॉइजनिंग की शिकायत और साफ-सफाई की चिंताओं के बाद एफडीए ने मिठाई दुकान का लाइसेंस सस्पेंड कर

दिया था. दुकानदार ने 15 जून को इस फैसले को चुनौती दी और 9 जुलाई को सभी शर्तों को पूरा करने की रिपोर्ट जमा की.

चार दिन बाद हुई दोबारा जांच में दुकान को 36 में से 35 अंक मिले- यानी 98% स्वच्छता का मानक सही पाया गया. इस उच्च स्कोर के बावजूद एफडीए ने लाइसेंस बहाल करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद दुकान मालिकों को हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा.

8.5 लाख रुपये का हुआ नुकसान

याचिकाकर्ता का पक्ष रख रहे एडवोकेट अभिजीत देसाई ने अदालत को बताया कि 34 दिनों तक दुकान गैर-कानूनी तरीके से बंद रहने के कारण छोटे कारोबारी को लगभग 8.5 लाख रुपये का सीधा राजस्व नुकसान हुआ है.

यह भी पढ़ेंः 'ऑनलाइन पेपर कराना बस का नहीं तो एग्जाम क्यों लेते हैं?' बॉम्बे हाईकोर्ट क्लर्क परीक्षा गड़बड़ी पर भड़के अभिजीत दिपके

हाईकोर्ट ने माना कि फूड सिक्योरिटी स्टैंडर्ड्स को बनाए रखना एफडीए का काम है, लेकिन विभाग अपनी हद से आगे निकल गया. नुकसान की भरपाई के लिए अदालत ने एफडीए को 30 दिनों के भीतर 5 लाख रुपये की राशि जमा करने का निर्देश दिया है.

युवाओं को माफिया से बचाना जरूरी, भविष्य खराब करने वालों के खिलाफ सरकार कर रही सख्त कार्रवाई : सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में कहा कि युवाओं को माफिया से बचाना जरूरी है और सरकार उनके भविष्य से खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई कर रही है।

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित राज्य स्तरीय प्राइजमनी कुश्ती प्रतियोगिता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खेल के जरिये विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों के एजेंडे में खेल और युवा नहीं थे। युवाओं के हित में काम करने के बजाय उनका दुरुपयोग किया गया। उन्हें माफिया के हवाले कर दिया गया। आज युवा शक्ति को माफिया प्रवृत्ति से बचाने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा माफिया हो, खेल माफिया, नकल माफिया या ड्रग माफिया, किसी भी रूप में युवा के भविष्य से खिलवाड़

करने वालों के खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है।

उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश में खेल संस्कृति बदली है। खेलो इंडिया, फिट इंडिया, सांसद और विधायक खेलकूद प्रतियोगिताओं और ग्रामीण लीग के माध्यम से युवाओं को खेलों से जोड़ा जा रहा है।

500 से अधिक खिलाड़ियों को मिली नियुक्ति

योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को नौकरी दे रही है। अब तक 500 से अधिक खिलाड़ियों को विभिन्न पदों पर नियुक्ति दी जा चुकी है और अगले एक माह में 500 और खिलाड़ियों को नौकरी देने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि सरकार हर गांव में खेल मैदान, हर विकासखंड में मिनी स्टेडियम और हर जिले में स्टेडियम बनाने के साथ खेलों का मजबूत इकोसिस्टम तैयार कर रही है।

जीवन को संकट में देख रेगिस्तान में उगा दी समृद्धि की फसल, अब

मुख्यमंत्री ने युवाओं को नशे के साथ स्मार्टफोन की लत से भी सावधान किया। उन्होंने कहा कि युवा यदि प्रतिदिन एक घंटा भी शरीर के लिए दें तो स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मस्तिष्क के साथ देश को मजबूत बनाने में योगदान दे सकते हैं।

उन्होंने निजी खेल अकादमियों और पुराने अखाड़ों को भी सरकारी सहयोग देने की बात कही। साथ ही कहा कि प्रदेश की नई युवा नीति जल्द आने वाली है और हर जिले में स्किलिंग एवं रोजगार जोन विकसित किए जाएंगे।

रक्षाबंधन पर गुरुग्राम से लखनऊ के लिए बस सेवा, जानें किराया और समय

(एजेंसी)।

गुरुग्राम, रक्षाबंधन के त्योहार पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए गुरुग्राम डिपो से लखनऊ के लिए बस सेवा उपलब्ध रहेगी। यह बस सुबह 5:30 बजे गुरुग्राम बस डिपो से रवाना होकर शाम करीब 5:30 बजे लखनऊ पहुंचेगी। लखनऊ तक पहुंचने में करीब 12 घंटे का समय लगेगा। यात्रियों को इस सफर के लिए 810 रुपये किराया देना होगा। गुरुग्राम से लखनऊ जाने वाली यह बस पलवल, मथुरा और आगरा होते हुए आगे कानपुर, उन्नाव और लखनऊ की ओर जाएगी। रक्षाबंधन के दौरान उत्तर प्रदेश जाने वाले यात्रियों के लिए यह सेवा काफी सुविधाजनक रहेगी। खासकर उन यात्रियों को इसका लाभ मिलेगा, जिन्हें त्योहार पर गुरुग्राम और आसपास के क्षेत्रों से लखनऊ व मार्ग में पड़ने वाले शहरों तक जाना है।